भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2519

9 जुलाई, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: टिड्डी दल का आक्रमण

2519. श्री हनुमान बैनिवालः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों से बड़ी संख्या में टिड्डी दल हमारे देश में आए हैं जो किसानों की फसल को नष्ट कर सकते हैं;

(ख) यदि हां, तो टिड्डी दल की समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) राजस्थान में किन स्थानों पर टिड्डी दल के बारे में चेतावनी संबंधी कार्यालय स्थापित किए गए हैं और इन कार्यालयों में अनुमोदित, कार्यरत और रिक्त पड़े पदों की स्थिति क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों से मुख्य रूप से राजस्थान राज्य के जैसलमेर जिले में 21 मई 2019 के बाद से निम्न स्तर से मध्यम सघनता में रेगिस्तानी टिड्डियों (ग्रासहोपर की श्रेणी से संबंधित) का आक्रमण हो रहा है। राजस्थान के बाड़मेर और जालोड़ जिलों और गुजरात के बनासकंठा जिलों में भी इनकी उपस्थिति देखी गई है।

अब तक, रेगिस्तानी टिड्डियों से फसल के नुकसान का कोई साक्ष्य नहीं है। न तो रेगिस्तानी टिड्डी नियंत्रण टीमों ने और न ही किसी राज्य के कृषि कर्मियों ने फसलों को कोई नुकसान होने की सूचना दी है।

(ख): रेगिस्तानी टिड्डियों की समस्या से निपटने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

i. 3 जुलाई, 2019 तक, कुल 8041 हेक्टेयर में कीटनाशक (जैसलमेर- 7354 हेक्टेयर, बाड़मेर - 447 हेक्टेयर, जालोड़ - 100 हेक्टेयर और बनासकंठा- 140 हेक्टेयर) का छिड़काव करके उक्त संक्रमण से बचाव के लिए उपचार किया गया है।

ii. टिड्डी चेतावनी संगठन/सर्कल कार्यालयों के कर्मचारी रेगिस्तानी टिड्डियों को रोकने के लिए नियमित सर्वेक्षण और नियंत्रण ऑपरेशन करते हैं।

iii. इसके अतिरिक्त, नियंत्रण और सर्वेक्षण कार्यों में सहायता के लिए विभिन्न सर्कल कार्यालय में पादप संरक्षण संगरोध और भंडारण निदेशालय के 40 तकनीकी अधिकारियों/कर्मचारियों को

तैनात किया गया है। इसके अलावा, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी संक्रमित क्षेत्र में शिविर लगाकर नियंत्रण कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

iv. इसके अतिरिक्त, राजस्थान राज्य विभाग ने 77 कर्मचारियों को नियुक्त किया है जिसमें टिड्डी नियंत्रण कार्यों में सहायता के लिए जैसलमेर जिलों के विभिन्न कार्यालयों में कृषि पर्यवेक्षक, कृषि अधिकारी एवं सहायक कृषि अधिकारी शामिल हैं। राज्य सरकार ने विभिन्न दलों का गठन किया है जिसमें नियमित आकलन एवं टिड्डियों की स्थिति की निगरानी के लिए विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

v. राज्य कृषि अधिकारियों एवं किसानों के लिए विभिन्न सर्कल अधिकारियों द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

vi. वन विभाग, सीमा सुरक्षा बल, राज्य कृषि विभाग, जिला प्रशासन एवं ग्राम सभा / पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ नियमित संपर्क बनाया जा रहा है।

(ग): टिड्डी नियंत्रण और अनुसंधान के अंतर्गत कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग ने लगभग सभी मरूस्थली क्षेत्रों सहित राजस्थान में बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, सूरतगढ़, चूरू, नागौर, फलोदी, जालोड़ एवं गुजरात में पालनपुर एवं भुज में 10 टिड्डी सर्कल कार्यालय स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, जोधपुर में टिड्डी चेतावनी संगठन भी स्थापित किया गया है जो सर्कल कार्यालयों के मुख्यालय के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, बीकानेर में टिड्डी जांच फील्ड स्टेशन भी स्थापित किया गया है। इन कार्यालयों में स्वीकृत, भरे हुए पदों और रिक्त पदों की स्थिति का ब्यौरा **अनुबंध ।** पर है।

अनुबंध

स्टाफ की तैनाती का ब्यौरा

क्र.स..	समूह	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त पद *
1	समूह क एवं ख	32	29	3
2	समूह ग	218	104	114
	कुल	250	133	117

*नियंत्रण और सर्वेक्षण कार्यों में सहायता के लिए विभिन्न सर्कल कार्यालयों में पादप संरक्षण संगरोध और भंडारण निदेशालय के 40 अतिरिक्त तकनीकी अधिकारियों/कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

****